मानमिन समाचार

रजि.न. DELHIN/2016/70497 साप्ताहिक

अकं 45, वर्ष 3 20 May 2019 पेज 1

यू–ट्यूब पर संदेशों के माध्यम से मैं परमेश्वर से मिला।

जीवन के वचन और सामर्थी कार्यों का इंटरनेट पर सीधा प्रसारण।

आज, हमारे पास, संसारभर में सुसमाचार प्रचार करने के माध्यम, पहले से कहीं अधिक है। हमारा चर्च, सुसमाचार को जी सी एन टीवी के द्वारा एवं पुस्तकों का अनुवाद 60 से अधिक भाषाओं, मानमिन समाचार 30 से अधिक भाषाओं और चर्च वेबसाइट 7 भाषाओं के माध्यम से, फैला रहा है।

आज के युग में सोशल नेटवर्क सेवाओं के माध्यम से, जैसे कि, फेसबुक और इंस्टाग्राम, हम सुसमाचार को फैला रहे हैं और साथ ही यू–ट्यूब द्वारा भी, जो कि विश्वभर में वीडियो सहभाजन साइट है।

गृह–कलीसियाऐं और स्थानीय कलीसियाऐं यू–ट्यूब के प्रसारण के द्वारा।

भारत, क्षेत्रफल के आधार पर सातवां एवं जनसंख्या के आधार पर विश्व का दूसरा बड़ा देश है। 30 करोड़ से अधिक लोग, भारत में यू–ट्यूब के उपयोग से वीडियो देखते हैं। ऐसी उम्मीद है कि, इंटरनेट कनेक्शन के विस्तार के साथ दर्शकों की संख्या भी बढ़ जाएगी।

दिल्ली मानमिन चर्च से पास्टर, जोन ने कहा है कि, "भारत में मसीहियत के विरूद्ध सताव बढ़ता जा रहा है। इस समय में यू–ट्यूब जैसे माध्यमों से मिशन का कार्य कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। यहाँ पर विश्वासियों ने, स्वयं सेवा से, रेव. जेरॉक ली के संदेशों को हिन्दी भाषा में उपशीर्षक के साथ रिकॉर्ड करना शुरू किया है। इसके परिणाम स्वरूप , हमें हर महीने, सैकड़ों प्रार्थना निवेदन, गवाहियां एवं परामर्श प्राप्त करने हेतू अनुरोध प्राप्त होते हैं। सीनियर पास्टर की प्रार्थना के द्वारा, बड़ी संख्या में लोग, ईश्वरीय चंगाईयाँ एवं परमेश्वर की आशिषों का अनुभव कर रहे हैं। जैसे–जैसे यू–ट्यूब पर संदेशों के दर्शक बढ़ रहे हैं, वे मुझे अपने स्थान पर सुसमाचार के लिए आमंत्रित करते हैं, और ऐसी सभाओं के द्वारा गृह कलीसियाऐं संगठित की जा रही हैं।

इसी प्रकार की चीजें, लैटिन अमेरिका में भी है। कोलोम्बिया मानमिन चर्च, मानमिन सैंट्रल चर्च जो दक्षिण कोरिया में है, वहां की, रविवार्य प्रातःकाल की सभा एवं शुक्रवार रात्रि सभा को यू–ट्यूब पर अपलोड करते हैं। 30 से 40 स्थानों में लोग इन सभाओं की वीडियो को इन देशों में दखते है जैसे कि: संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको, होंडुरस, वेनेजुएला, एक्वेडोर, चीले, अर्जेंटीना, बोलीविया और कभी–कभी स्पेन में, और बहुत से मध्य पूर्वी देशों में और इटली इत्यादि में।

दर्शकों ने जीवित परमेश्वर से मुलाकात की और वहां पर स्थानीय कलीसियाऐं प्रारम्भ की गईः 1 होंडुरस में और मैक्सिको में क्रमशः, 3 वेनेजुएला में, और 4 कोलोम्बिया में।

वे विषय जिनसे दर्शक पवित्रआत्मा के कार्यों का अनुभव करते हैं।

इस प्रकार के संचार माध्यमों के द्वारा प्रभु यीशु मसीह के प्रेम को प्रभावकारी रूप से फैलाने के लिए, विषय–वस्तु आत्मिक रूप से उपयोगी एवं प्रभावशाली होनी चाहिए।

हमारे चर्च की वीडियो का यू–ट्यूब पर इतना अधिक

प्रभावशाली साबित होने का कारण यह है कि उनमें जीवन का वचन पाया जाता है, जिसे सीनियर पास्टर, रेव्ह. जेरॉक ली ने असंख्य प्रार्थना और उपवास करके पवित्र आत्मा की प्रेरणा से प्राप्त किया है।

वे न केवल स्पष्ट रूप से, क्रूस पर यीशु मसीह के प्रावधान को सिखाते है बल्कि उनमे बहुत ही गहरे आत्मिक संदेश पाए जाते है। वे संसारभर में आत्मिक रूप से प्यासे विश्वासियों की प्यास बुझाते है।

जैसा कि युहन्ना 4:48 पद कहता है: "यीशु ने उस से कहा, जब तक तुम चिन्ह और अद्भुत काम न देखोगे तब तक कदापि विश्वास न करोगे।" जीवित परमेश्वर के स्पष्ट प्रमाण के बगैर, इस अंत के समय में, विश्वास को प्राप्त करना बहुत ही मुश्किल है। मगर, रेव्ह. ली की बीमारों के लिए प्रार्थना वीडियो के द्वारा, बहुत सारे लोग ईश्वरीय चंगाईयों का अनुभव कर रहे हैं और उन्हे सच्चा विश्वास और बदलाव की ताकत मिलती है।

विषेश रूप से, हर महीने शुक्रवार संपूर्ण–रात्रि सभा के दूसरे भाग में चंगाई सभा का आयोजन किया जाता है। वे जो यू–ट्यूब के माध्यम से उसमें शामिल होते हैं, वे उस रूमाल के द्वारा की गई प्रार्थना से, जिस पर रेव्ह. ली ने प्रार्थना की है (प्रेरितों के काम 19:11–12) चंगाई प्राप्त करते हैं। वे महानता से परमेश्वर को महिमा दे रहे हैं (पेज 3)।

भारत से भाई कैलाश का कहना है कि,"जब से मेरे बाएं कान से सुनना बंद हो गया था, मेरा आत्मबल खत्म हो चुका था। मैं हमेशा इस चिंता में रहता था कि, कहीं मैं पूरी तरह से बहरा न हो जाऊँ। मगर, यू–ट्यूब के द्वारा मैंने रेव्ह. जेरॉक ली को जाना, और हाल की में हुई चंगाई सभा के द्वारा मेरी सुनने की शक्ति ठीक हो गई।

आत्मिक प्रेम (11)

प्रेम कुकर्म से आनन्दित नहीं होता

"प्रेम धीरजवन्त है, और कृपाल है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं। वह अनरीति नहीं चलता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता, झुंझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता। कुकर्म से आनन्दित नहीं होता, परन्तु सत्य से आनन्दित होता है।"
1 कुरिन्थियों 13:4-6

सीनियर पास्टर रेव्ह. डा. जेरॉक ली।

अल्प विकसित देश, जहां भ्रष्टाचार ज्यादा होता है उनकी तुलना में, ईमानदार लोगों की सफल होने की संभावना विकसित देशों में ज्यादा होती है। कुकर्म भी, किसी भी देश के उत्थान और पत्तन से बारीकी से जुड़ा हुआ है। इसी वजह से इसे "देशों को नष्ट करने वाला रोग" भी कहा जाता है। व्यक्तिगत जीवन पर भी इसका भयानक प्रभाव पाया जाता है। कुकर्म के साथ आनंदित न होना "बुराई से न सोचने" के समान ही है परन्तु दोनों एक ही चीज़ नही है। बुराई से न सोचना अर्थात कोई भी बुराई अपने अंदर न रखना जबकि, कुकर्म के साथ आनंदित न होना, बाहरी रूप से प्रकट प्रतिकूल चीज़ों के साथ नाखुश होना होता है और बुरे कामों में समभागी न होना होता है।

1. कुकर्म में आनंदित न होना

मान लीजिए, आप अपने किसी अमीर दोस्त से जलन रखते हैं। आपको लगता है कि वह तो बहुत अधिक डींगे मारता है। इसलिए आप ऐसी तमन्ना रखते हैं कि उसके साथ कुछ बुरा हो जाएं या उसका दिवालिया निकल जाएं। यह बुरे विचार है।

अगर, इस दोस्त का किसी ठग की युक्ति में फंस कर वास्तिविकता में दिवालिया निकल गया, तो आपको खुशी होती है और आप सोचते हैं कि वो इसी लायक था। यह है कुकर्म के साथ आनंदित होना।

सार्वजनिक मानक के आधार पर भी कुकर्म होता है। जैसे कि, अपना पसीना बहाकर ईमानदारी से मज़दूरी कमाने के बजाए दूसरों की सम्पति के साथ ठगी करना या ज़बरन वसूलना।

ऐसे लोग तो उचित प्रकिया व कानून तोड़कर भी लाभ कमाने के बारे में सोचते हैं। यदि कोई न्यायाधीश घूस लेकर अन्यायपूर्ण सज़ा सुनाएं, तो किसी की भी नज़रों में यह कुकर्म होता है।

कुछ व्यापारी तौल(मात्रा) में ठगी करते हैं, या वे अपने लाभ कमाने के लिए खराब गुणवता की सामग्री का इस्तेमाल करते हैं। वे दूसरे लोगों को कष्ट देकर केवल अभी के लाभ के बारे में सोचते हैं। वे बार–बार ठगी करते हैं। ऐसे बहुत सारे लोग है जो अधर्म के लाभ के लिए छल करने की कोशिश करते हैं। आप किस प्रकार के व्यक्ति हैं?

मान लीजिए कि, आप एक सरकारी नौकरी करते हैं। आपको जानकारी मिलती है कि, आपके करीबी दोस्त गैर–कानूनी तरीके से पैसा कमा रहे हैं। यदि वो पकड़ा जाएं तो उसकी सज़ा गंभीर होगी। मान लीजिए वो आपको एक बड़ी धन राशि दे कर कहता है कि आप उनके रास्ते से हट जाइये। वो यह भी कहता है कि जब सब कुछ ठीक–ठाक से चलेगा तो वो आपको और भी पैसे देगा। और आप भी इस वक्त घर की समस्या के चलते पैसों की ज़रूरत में हैं। इस प्रकार की स्थिति में आप क्या करेंगे?

आइये हम एक और परिस्थिति पर नज़र डालें। एक दिन आपको मालूम हुआ कि आपके बैंक खाते में जितनी शेष राशि होनी चाहिए थी, वह उससे कहीं ज्यादा है। टैक्स एजेंसी ने गलती से उचित धन–राशि आपके खाते से नही निकाली। अब, क्या आपको यह सोचकर खुशी होगी कि उनकी गलती की वजह से आपको कुछ राहत मिल गई है।

2 इतिहास 19:7 पद कहता है "अब यहोवा का भय तुम में बना रहे; चौकसी से काम करना, क्योंकि हमारे परमेश्वर यहोवा में कुछ कुटिलता नहीं है, और न वह किसी का पक्ष करता और न घूस लेता है।" परमेश्वर संपूर्णता से धर्मी है। उसमें कोई भी अधार्मिकता नही है। हम मनुष्य को धोखा दे सकते हैं मगर परमेश्वर को नही। परमेश्वर का सम्मान करते हुए हमें विश्वायोग्यता एवं ईमानदारी का जीवन जीना है।

अब्राहम का भतीजा, जब बंधुआ बनाकर ले लिया गया तब, वह न केवल अपने भतीजे को बल्कि सदोम के सभी लोगों को भी वापस छुड़ा लाया। इस कारण से राजा ने धन्यवादी होकर अब्राहम को छुड़ाई हुई सभी चीज़ो को देने की पेशकश की। परन्तु अब्राहम ने उन्हे लेने से इन्कार कर दिया। (उत्पति 14:22–23)

जब उसकी पत्नी सारा की मृत्यु हुई, तो उस भूमि के मालिक ने उसे, वह ज़मीन देने चेष्ठा की, मगर उसकी पूरी कीमत चुकाने से पहले उसने उसे नही लिया। उसने यह इसलिए किया ताकि भविष्य में किसी प्रकार का झगड़ा न हों। बिना कमाई के कोई भी लाभ लेने की उसकी न तो कोई इच्छा थी और न ही इरादा।

वे जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं और जिन्हें परमेश्वर प्रेम करता है, वे कभी भी दूसरों को कोई नुकसान नही पहुँचाएंगे अथवा न ही अपने हितलाभ के लिए कानून तोड़ेंगे। ईमानदारी की कमाई के अलावा वे कुछ भी नही चाहते हैं। परन्तु जो कुकर्म से प्रसन्न होते हैं उनमें न तो परमेश्वर के लिए प्रेम होता है और न ही अपने पड़ोसियों के लिए।

2. कुकर्म से प्रसन्न होने के परिणाम

सामान्य समझ की तुलना में, परमेश्वर की दृष्टि में कुकर्म थोड़ा अलग है। यह न केवल कानून भंग करना व दूसरों का नुकसान करना है बल्कि यह हर वो पाप है जो परमेश्वर के वचन का अतिक्रमण करता है।

जब हृदय की बुराई कार्य द्वारा प्रकट होती हैं, तो यह पाप है। कुकर्म विशेष रूप से शरीर के वो काम हैं, जो पापमय स्वभाव के बाहरी रूप में प्रकट कार्य होते हैं जैसे कि बैर और डाह। इस कारण से कुकर्मियों को उद्धार पाना मुश्किल है (1 कुरि. 6:9–10)

आकान ने कुकर्म से प्रीति रखी और खुद को नाश में धकेल दिया। बचपन से ही उसने उन चीज़ों को देखा और सुना था जो यहोवा परमेश्वर ने उसके लोगों के लिए किए थे। वो जानता था कि परमेश्वर ने उन्हें दिन के समय बादल के खम्बे और रात के समय आग के खम्बे से उनकी अगुवाई की थी। उसने सैलाब से भरी यरदन नदी को रूकते हुए और यरीहो की शहरपनाह को नाश होते हुए देखा था।

वो बहुत अच्छे से जानता था कि क्यों यहोशू ने यरीहो की लूट को लेने से इन्कार किया था, क्योंकि वह परमेश्वर को अर्पण होनी थी। मगर, जब उसने यरीहो में चीज़ों को देखा तो, उसमें लालच आया और वह स्वयं पर नियत्रण न रख पाया।

वह तो उस जंगल में मिट्टी से जुड़े जीवन और साधारण जीवन का आदी था। इस कारण जब उसने यरीहो में उन भव्य वस्तुओं को देखा तो, उसकी तो मानो आखें खुल गई। जब उसने वहां पर सुंदर आवरण, चाँदी और सोना देखा तो वह परमेश्वर का वचन और यहोशू के द्वारा दिये गए निर्देशों को भूल गया। और उसने उन्हे ले कर छिपा दिया।

उसके पाप के कारण इस्राएली ऐ देश के साथ हो रहे युद्ध में हार गए। अन्ततः उसका कुकर्म प्रकट हुआ और उसके परिवार समेत वह पत्थराव करके मार डाला गया। उन पत्थरों के ढेर को आकोर की तराई कहा जाता है जो कि श्राप का चिन्ह है।

साथ ही बालाम भी, जो जानता था कि परमेश्वर से कैसे बातचीत करनी है। एक दिन मोआब के राजा बालाक ने बालाम को, इस्राएलियों को श्राप देने को कहा। परमेश्वर ने बालाम को कहा कि " तू इनके संग मत जा; उन लोगों को शाप मत दे, क्योंकि वे आशीष के भागी हो चुके हैं।" (गिनती 22:12)

पहली बार तो बालाम ने परमेश्वर का वचन माना और राजा की बात का इन्कार कर दिया। मगर, जब राजा ने सोना, चाँदी और बहुमूल्य वस्तुऐं भेजी तो उसने अपना मन बदल दिया। अन्त में उसने राजा को यह भी सिखाया कि, किस प्रकार से इस्राएलियों के ऊपर विपति डाली जा सकती है। परिणामस्वरूप, इस्राएलियों ने मूर्तियों के आगे अपर्ण भोजन खाया और वेश्यावृत्ति की। और एक बड़े संकट को उन्हे झेलना पड़ा। बाद में बालाम तलवार से घात किया गया। यह अधर्म के लाभ से प्रीति करने का नतीज़ा था।

यदि अविश्वासियों के समान ही परमेश्वर की संतान भी कुकर्म करें तो हमें क्या करना चाहिए? हमें शोक करना है और प्रेम से उनके लिए प्रार्थना करनी है और उनकी मदद करनी हैं कि वे परमेश्वर के वचन के अनुसार अपना जीवन जी सकें। मगर, कुछ विश्वासी ऐसे लोगों से यह सोचते हुए ईर्ष्या करते है कि वे भी आसान मसीही जीवन जीना चाहते हैं। इसके साथ–साथ,

विश्वास का अंगीकार

1. मानमिन सैंट्रल चर्च विश्वास करता है कि बाइबल परमेश्वर का दिया गया वचन है जो सिद्ध और दोषरहित है।
2. मानमिन सैंट्रल चर्च एकता में विश्वास करता है और त्रिएक परमेश्वरः पवित्र पिता परमेश्वर, पवित्र पुत्र परमेश्वर और पवित्रआत्मा परमेश्वर, के कार्य में विश्वास करता है,
3. मानमिन सैंट्रल चर्च विश्वास करता है कि केवल यीशु मसीह के लहु के द्वारा हमें हमारे पापों से क्षमा मिलती है।
4. मानमिन सैंट्रल चर्च यीशु मसीह के पुन्रूत्थान और स्वर्गारोहण, उसके दूसरे आगमन, एक हजार वर्ष का राज्य और अनन्त स्वर्ग, पर विश्वास करता है
5. मानमिन सैंट्रल चर्च के सदस्य हर बार जब एकत्र होतें है वे अपने विश्वास का अंगीकार "प्रेरितों के विश्वास" के द्वारा करतें है और उसकी धारण के मूल तत्व के प्रतिशब्द पर विश्वास करतें है।

"(परमेश्वर) वह तो आप ही सब को जीवन और स्वास और सब कुछ देता है।" (प्रेरितों के काम 17:25)
"और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिस के द्वारा हम उद्धार पा सकें।" (प्रेरितों के काम 4:12)

आप इन संदेशों को YouTube से सुन सकते हैं
कूस का संदेश, विश्वास का परिमाण, आत्मिक प्रेम, भलाई, स्वर्ग, पवित्र आत्मा के नौ फल, आशीषें, नरक, हृदय भूमी की जुताई।
आप GCNTV HINDI को YouTube पर ढूंढ सकते है।
YouTube / GCNTVHINDI

अगर वे इस प्रकार के कुकर्म में भाग लेते है तो हम कह नहीं सकते कि वे प्रभु से प्रेम करते हैं।
प्रिय भाइयो और बहनो ,
हमारे उद्धारकर्ता यीशु पापियों को बचाने के लिए क्रूस पर कुर्बान हुए (1 पतरस 3:18)। हमने परमेश्वर से इतना महान प्रेम प्राप्त किया, उस प्रेम के कारण हम यीशु के क्रूस पर चढ़ाए जाने के द्वारा बचाए गए हैं। इसलिए हमें न केवल अधर्म के कार्य को रोकना चाहिए बल्कि परमेश्वर के वचन, जैसे है वैसे ही उन्हें मानना चाहिए।
मैं प्रभु के नाम से प्रार्थना करता हूँ कि आप परमेश्वर कि सच्ची संतान बने जो कुकर्म से आनंदित नहीं होते जैसे कि अब्राहम और एक समृद्ध जीवन का आनंद ले।

विशेष ईश्वरीय चंगाई सत्र के द्वारा विश्वभर में सामर्थी कार्य

प्रत्येक महीने के अंतिम शुक्रवार को सम्पूर्ण रात्रि सभा में विशेष ईश्वरीय चंगाई सत्र आयोजित किया जाता है।
पास्टर सुजिन ली उस रूमाल से प्रार्थना करती हैं जिस पर सीनियर पास्टर रेव्ह. जेरॉक ली ने प्रार्थना की हैं। प्रेरितों के काम 19:11–12
कोरिया और विदेशों से बहुत से लोग जी. सी. एन टीवी पर और इंटरनेट के माध्यमों, जैसे यू ट्यूब से शामिल हैं और ईश्वरीय चंगाईयाँ प्राप्त करते हैं, और परमेश्वर को महिमा देते हैं।

भाई संदीप
(उम्र 18 वर्ष, गोरखपूर भारत)

" मेरी बहन दुष्ट–आत्मा से ग्रसित थी , पर अब वो सामान्य हो गई है। "

पिछले कुछ वर्षों से मेरी बहन अनीता दुष्टआत्मा से ग्रसित थी वह परिवार के सदस्यों पर गुस्सा करती थी और उन्हें श्राप देती थी।
मैंने हिन्दू पुजारियों को झाड़–फूँक के लिए बुलाया और जो कुछ उन्होंने करने को कहा मैंने किया उन्होंने कहा कि वह ठीक हो जाएगी परन्तु उसमें कोई सुधार नहीं आया। जो बातें उसे परिवार के सदस्यो को नहीं बोलनी चाहिए वह वे बातें उन्हें बोलती थी।
वह आत्महत्या करने कि कोशिश करती थी इसीलिए हमें उसे बांध कर रखना पड़ता था जनवरी 2018 में मेरे एक चाचा ने हमें यीशु मसीह के बारे में बताया और उन्होंने हमें यू टयूब पर "जी. सी. एन. टी.वी हिंदी" चैनल के बारे में भी बताया।
मुझे पास्टर जॉन किम का नंबर मिला और जब भी मेरी बहन दुष्ट आत्मा से ग्रसित होती थी तो मैं रुमाल कि प्रार्थना को ग्रहण करने के लिए उन्हें फोन करता था और वह शांत हो जाती थी (प्रेरितों के काम 19:11–12)
तब से मेरे परिवार ने रव्ह. जेरॉक ली के संदेशों कि श्रृंखला जैसे "क्रूस का सन्देश" "दस आज्ञाएं" इन्हे "जी. सी. एन. टी.वी. हिंदी" चैनल पर सुनना शुरू किया हमने मूर्ति पूजा तथा अपने अन्य पापों के लिए पश्चाताप किया। जनवरी 2019 में हम लोगों ने अपने पड़ोसियों के साथ, मानमिन सैंट्रल चर्च के सीधे प्रसारण में यू टयूब के माध्यम से शुक्रवार रात्रि सभा में भाग लिया। वहाँ पर अपने कुछ पड़ोसियों को चंगाई प्राप्त करते देख मुझे भी हियाव मिला कि मेरी बहन भी चंगी हो सकती है। हमने संदेशों को सुना, प्रार्थनाएं की, ताकि फरवरी में होने वाली विशेष ईश्वरीय चंगाई सभा में मेरी बहन चंगाई प्राप्त कर सकें।
22 फरवरी को चंगाई सभा के दौरान पास्टर "सुजिन ली" से रुमाल की प्रार्थना को ग्रहण करते हुए मेरी बहन ने आँसुओं सहित पश्चाताप किया और पवित्र आत्मा की आग को प्राप्त किया। दुष्टआत्मा उसे छोड़ कर चला गया और अब वो पूरी तरह से सामान्य है हाल्लेलुइयाह!

"कान बजना बंद हो गया, अब मैं अच्छे से सुन सकती हूँ !"

येन्सी गार्सिया
(उम्र 30, सोनसोनेट, ईएल साल्वेदोर)

दिसंबर 2018 में मुझे सर्दी और बुखार हुआ और मेरे कान में बहुत अधिक दर्द होने लगा, तब से मेरे बाएं कान में सुनना बंद हो गया, मुझे घंटियों जैसी आवाज़ें सुनाई देने लग गई थीं मैंने द्वेष और दुर्भावनाओं के लिए जो मेरे हृदय में थी पश्चाताप किया और प्रार्थनाओं के द्वारा उन्हें दूर करने का प्रयास किया। जनवरी में आयोजित विशेष चंगाई सत्र में मेरे कान का बजना बंद हो गया और कान का दर्द भी दूर हो गया।

"मेरी आँखों की रोशनी बढ़ गई और मैं साफ देख सकती हूँ !"

केटालिना कोरेडोर
(उम्र 21, भोगोटा कोलोम्बिया)

2018 में निकट दृष्टि दोष हो जाने के कारण मैं ब्लैकबोर्ड पर लिखे अक्षरों को नहीं पढ़ पाती थी मैं अपने उन दोस्तों को भी नहीं पहचान पाती थी जो कुछ दुरी से मुझे अभिवादन करते थे, जनवरी में अंतिम शुक्रवार की सम्पूर्ण रात्रि सभा में मैंने अपने आप के लिए पश्चाताप किया। जब से मैंने ईश्वरीय चंगाई सभा में प्रार्थना को ग्रहण किया है तब से मैं ब्लैक बोर्ड पर लिखे अक्षरों को देख सकती हूँ और दूर से लोगों को भी पहचान सकती हूँ।

"लकवे से ग्रसित बाईं पलक सामान्य हो गई !"

टेंग बून लिओंग
(उम्र 37, पेनांग मलेशिया)

लगभग पांच–छः महीने से मेरी बाईं पलक लकवा ग्रसित थी मैं अपनी बाईं आँख बिलकुल भी नहीं खोल पाता था। डॉक्टर ने बताया कि यह मस्तिष्क के ठीक से काम न करने के कारण है। कोई दवा असर नहीं कर रही थी और ऐसी स्थिति में सर्जरी की आवश्यकता थी। इस जनवरी में मैं विशेष चंगाई सभा में शामिल हुआ और प्रार्थना ग्रहण की और अगले दिन आश्चर्यजनक रूप से मैं अपनी बाईं आँख खोल पा रहा था।

"मैं अब सुन सकता हूँ मैं कार के हॉर्न सुन सकता हूँ !"

किट्टीपोंग विसाल्वे
(उम्र 35, बैंक्कोक, थायलैंड)

मैं जन्म से ही गूँगा और बहरा हूँ मैं वेब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग साइट पर मानमिन सेंट्रल चर्च की शुक्रवार कि सम्पूर्ण रात्रि सभा में शामिल था जनवरी में मैंने ईश्वरीय चंगाई सत्र में बीमारों के लिए प्रार्थना ग्रहण की और मेरे बाएं कान कि सुनने कि शक्ति वापस आ गई। मैं कार के हॉर्न को बजते हुए सुन सकता हूँ। इस से भी अधिक एक साल से भी ज्यादा समय से मेरे पैरों में दर्द था वह भी गायब हो गया।

"सात साल से बंद मेरी आँसुओं कि ग्रंथि चंगी हो गई !"

जिह्ये सैटो
(उम्र 61, यमागाटा, जापान)

लगभग सात साल से मेरी दाईं आँख में कुछ समस्या थी। डॉक्टर ने कहा कि मेरी आसुँओं कि ग्रंथि रुक गई है आंसू आ तो जाते थे पर सामान्य रूप से नहीं। लेकिन जब जनवरी में मैंने चंगाई सभा में बीमारों के लिए प्रार्थना को ग्रहण किया तो मुझे आँखों में ठंडक महसूस हुई, आँसू बहने लगे और फरवरी में प्रार्थना ग्रहण करने के बाद ये पूरी तरह से ठीक हो गई।

“मेरी झुकी हुई कमर अब सीधी हो गई है!”

जंगचून किम (उम्र 74, चाइनीज़ पहला पेरिश)

मैं चीन में एक बढ़ई था। काम करते करते मैं दूसरी मंजिल से गिर गया था और मेरी कमर में बुरी तरह से चोट लग गई थी और यह टेढी हो गई थी। इस कारण मैं सीधा नही हो पाता था। इसलिए मुझे हमेशा सहारे के लिए बेल्ट का उपयोग करना पढ़ता था। दूसरे लोगों से मुझे ईर्ष्या होती थी जो सीधे रहते थे।

2003 में मुझे कामकाज के चलते कोरिया आने का अवसर मिला। वहाँ मुझे किसी ने सुसमाचार का प्रचार किया। मैंने यह भी सुना कि परमेश्वर मेरी समस्या को ठीक कर सकते हैं। मैं मानमिन सैंट्रल चर्च में गया और मैंने देखा कि वहाँ पर विश्वासी प्रेम और अनुग्रह से भरे हुए हैं। मैंने अपनी पत्नी के साथ वहाँ पंजीकरण कराया। मगर, मेरी कमर में कोई सुधार नही हुआ और दर्द बहुत अधिक होने की वजह से मैं वापस चीन लौट गया।

2014 में चीन में, जी सी एन टीवी और मानमिन समाचार में, मुझे चर्च से, लोगों की गवाहियाँ एवं समाचार प्राप्त हुए। तब मैंने सोचा कि अब तक मैं क्यों चंगा नही हुआ जबकि संसार भर में बहुत से लोग चंगे हो रहे हैं। मैंने महसूस किया कि, मैंने एक अच्छा मसीह जीवन नही जीया है। मुझे प्रेरणा मिली कि मैं परमेश्वर के वचन के अनुसार जीवन व्यतीत करूं और सीनियर पास्टर रेव्ह. जेरॉक ली के पास जाकर प्रार्थना ग्रहण करूं।

अक्तूबर 2017 में, मेरी पोती पढ़ाई करने के लिए कोरिया जा रही थी, इसलिए मैं और मेरी पत्नी साथ में कोरिया आ गए। सितम्बर 2018 से, मैंने अपनी चंगाई पूरी तरह से परमेश्वर के हाथों में सौंप दी और मानमिन प्रार्थना केन्द्र के चंगाई सत्रो में भाग लिया।

अब पहले के असमान, संदेशों ने मेरे हृदय को छुआ, मैने एहसास किया कि, मैंने अपना बीता जीवन गलत रीती से जीया है और मैंने निरंतर पश्चाताप किया। बहुत दिनों तक मैने आंसुओं और बहती हुई नाक के साथ प्रार्थनाऐं की। कभी–कबार पवित्रआत्मा की आग मेरी पीठ को छू जाती थी।

विषेश रूप से, 21 जनवरी 2019 को, प्रार्थना केन्द्र की निदेशक श्रीमती ली ने, अपने रूमाल से मेरे ऊपर प्रार्थना की, और मेरी कमर सीधी हो गई। मैं महसूस कर पा रहा था कि यह पीछे की ओर जा रही थी। मेरी पत्नी भी आनन्द के मारे चिल्ला उठी कि यह पूरी तरह से सीधे हो चुकी है।

25 जनवरी को शुक्रवार सम्पूर्ण रात्रि सभा के चंगाई सत्र में, मैं बिलकुल निश्चित था कि पास्टर सुजिन ली की रूमाल से प्रार्थना ग्रहण करने के बाद मेरी कमर ठीक हो चुकी है। मैं वेदी पर गवाही देने के लिए चला गया, और उस क्षण मैं 10 मीटर तक दूर चीज़ों को देख पा रहा था। पहले मैं इतनी अच्छी तरह से देख नही पाता था। मेरी दृष्टि और भी बेहतर हो गई।

“प्रभु ने मुझे गर्भाशय म्योमा से चंगाई दी!”

बहन खालिउन (उम्र 15, उलानबातार मानमिन चर्च, मंगोलिया)

मार्च 2014 में, सड़क पर किसी ने मुझे, मेरी दादी और मेरी बहन को सुसमाचार का प्रचार किया और मैंने उसे स्वीकार किया। हम उलानदार मानमिन चर्च में जाने लगे। मेरी दादी बीमार रहती थी और उन्हें शरीर के बहुत सारे अंगो में दर्द रहता था। उनकी दाहिंनी टांग में चोट लगने के कारण उन्हे बैसाखी के सहारे चलना पड़ता था। मगर, जब वो चर्च जाने लगी तो वो चंगी हो गई। अब वो बिना बैसाखी के सहारे चलती हैं और घुटने भी टेक सकती हैं। अब वो चर्च में लीडर है और सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दे रही हैं। मैं ग्लोरी आराधना समूह की सदस्य हूँ और मैं अपने मसीही जीवन में खुश हूँ। मुझे भी एक बार विश्वास की उन्नति करने का अवसर मिला। 11 सितम्बर 2018 को, अचानक से मेरे पेट में दर्द होने लग गया। यह ऐसा था जैसे कोई, मेरी बांयी तरफ, मरोड रहा था।

सबसे पहले तो मैंने उस दर्द को सह लिया था परन्तु एक सप्ताह बाद वो दर्द फिर से होने लग गया और इस बार दर्द बहुत अधिक था। मैं जमीन पर कराह रही थी। मिशनरी की मदद से मैं अस्पताल गई। डाक्टर ने कहा कि यह गर्भाशय म्योमा है (एक प्रकार की गांठ)। उसने यह भी कहा कि अब मैं दौड़ नही सकती हूँ और मुझे अपने आप को गरम रखना होगा। मुझे कहा गया कि जल्दी ही मुझे सर्ज़री करवानी होगी अन्यथा म्योमा का आकार बढ़ जाएगा और दर्द भी बढ़ जाएगा।

अंततः 23 सितम्बर, चर्च सालगिरह के दिन, मैंने सीनियर पास्टर डा. जेरॉक ली की बीमारों की प्रार्थना को ग्रहण ा किया, और मेरा दर्द घटना शुरू हो गया। जिस समय तक प्रस्तुतियाँ समाप्त हुई उस समय तक मेरा दर्द भी जा चुका था। तब से, जब भी मुझे दोबारा से दर्द होता था मैं प्रार्थना को ग्रहण करती थी। मुझे महसूस हुआ कि मेरा दर्द पूरी तरह से खत्म हो चुका है, इसीलिए मैं 3 अक्तूबर को अस्पताल गई। हैरान कर देने वाली बात यह निकली कि, मेरा म्योमा पूरी तरह से चंगा हो चुका था। गर्भाशय म्योमा से चंगाई प्राप्त करने के एक सप्ताह बाद, मैंने स्कूल में एक खेल प्रतियोगिता में चाँदी का पदक प्राप्त किया। और अगले सप्ताह मेरी टीम ने, बास्केटबॉल प्रतियोगिता में सोने का पदक प्राप्त किया।

अब मेरी माँ भी चर्च आ रही हैं। मैं बहुत खुश हूँ, क्योंकि मैंने जीवित परमेश्वर से उत्तर प्राप्त किए हैं। मैं पिता परमेश्वर और प्रभु को धन्यवाद देती हूँ जिनमें बहुतायत से प्रेम पाया जाता है।

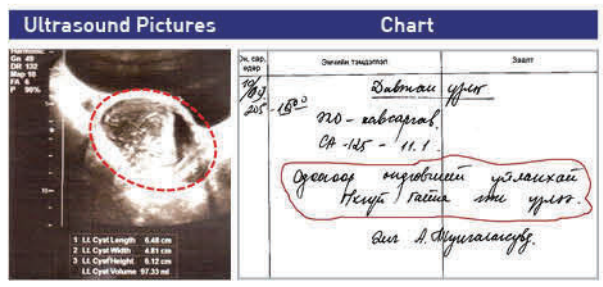

Before Prayer: 6cmx5cm Myoma in Uterus

After Prayer: The Myoma disappeared

GCNTV HINDI
99716 24368
आप इन संदेशों को YouTube से सुन सकते है।
कूस का संदेश, विश्वास का परिमाण, आत्मिक प्रेम, भलाई, स्वर्ग, पवित्र आत्मा के नौ फल, आशीषें, नरक, हृदय भूमी की जुताई।
आप GCNTV HINDIको YouTube पर ढूंढ सकते है।
Hindi Live Service
Sun 1) 8:00 am - 9:30 am
2) 11:30 am - 1:30 pm
Fri 8:00 pm - 10:30 pm
Wed 6:00 pm - 7:00 pm